BIHAR BOARD CLASS–XII

2012

SUBJECT- HINDI

समय: 3 घंटे 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध लिखिए-

(क) मेरे प्रिय कवि

(ख) छात्र और राजनीति

(ग) वसंत ऋतु

(घ) विज्ञान वरदान या अभिशाप

2. अपने मित्र को एक पत्र लिखिए जिसमें वर्तमान बिहार के विकास की दशा और दिशा का वर्णन कीजिए।

अथवा,

स्थानीय समाचार पत्र के माध्यम से अपने शिक्षा मंत्री का ध्यान परीक्षा में होनेवाली अनियमितताओं की ओर आकृष्ट करें।

4. 1. सही जोड़े का मिलान करें-

(क) जूठन (i) दिनकर

(ख) उसने कहा था (ii) शमशेर बहादुर सिंह

(ग) तुमुल कोलाहल कलह में (iii) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

(घ) उषा (iv) जयशंकर प्रसाद

(ङ) अर्द्धनारीश्वर (v) ओमप्रकाश वाल्मीकि

https://www.bsebstudy.com

III. निम्नलिखित प्रश्नों के बहुवैकल्पिक उत्तरों में से सही उत्तर बताइए-

(i) 'ओ सदानीरा शीर्षक पाठ के लेखक हैं

(क) मोहन राकेश

(ख) उदय प्रकाश

(ग) जगदीशचन्द्र माथुर

(घ) नामवर सिंह

(ii) 'एक लेख और एक पत्र' के लेखक हैं

(क) सुखदेव

(ख) भगत सिंह

(ग) बालकृष्ण भट्ट

(घ) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(iii) ओमप्रकाश वाल्मीकि की रचना है

(क) रोज

(ख) तिरिछ

(ग) जूठन

(घ) उसने कहा था

(iv) 'अधिनायक' कविता के कवि हैं।

(क) रघुवीर सहाय

(ख) गजानन माधव मुक्तिबोध

(ग) भूषण

(घ) तुलसीदास

(v) 'पुत्र वियोग' कविता के कवि हैं।

(क) ज्ञानेन्द्रपति

(ख) जयशंकर प्रसाद

(ग) सुभद्रा कुमारी चौहान

(घ) सूरदास

5. किन्हीं दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) 'रोज' कहानी का सारांश लिखे।।

अथवा,

'ओ सदानीरा' पाठ में आए नौका विहार प्रसंग का वर्णन करें।

(ख) 'तुमुल कोलाहल कलह में' कविता का भावार्थ लिखें।

अथवा,

नारी तो हम हूँ करी, तब ना किया विचार।

जब जानी तब परिहरि, नारी महा विकार ।।

6. निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें-

(क) पुरुष जब नारी के गुण लेता है तब वह क्या बन जाता है?

(ख) विद्यार्थियों को राजनीति में भाग क्यों लेना चाहिए?

(ग) गाँधीजी के शिक्षा संबंधी आदर्श क्या थे?

(घ) डायरी का लिखा जाना क्यों मुश्किल है?

(ङ) पुत्र को छौना कहने में क्या भाव छिपा है ? उद्घाटित करें।

(च) 'जन-जन का चेहरा एक' से कवि का क्या तात्पर्य है?

7. 19वीं शती से पूर्व खड़ी बोली हिन्दी के विकास पर प्रकाश डालें।

अथवा,

छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख करें।

8. सप्रसंग व्याख्या करें-

(क) “आदमी यथार्थ को जीता ही नहीं, यथार्थ को रचता भी है।"

अथवा,

"जिस पुरुष में नारीत्व नहीं, अपूर्ण है।"

(ख) एक नैन जस दरपन और तेहि निरमल भाउ ।

अथवा,

सब रूपवंत गहि मुख जोवहिं कई चाउ ।।

'अथवा,

दुनिया के हिस्सों में चारों ओर

जन-जन का युद्ध एक।

9. संक्षेपण करें-

युवा वर्ग का मस्तिष्क नई नई बातों की ओर ज्यादा तेज दौड़ता है। उसमें अन्य वर्ग के व्यक्तियों से अधिक आवेश और शक्ति होती है। इस अवस्था में यदि सही शिक्षा और उचित मार्गदर्शन न मिले तो यही शक्ति और प्रेरणा निर्माण के स्थान पर विनाश की ओर ले जाती है। बिगड़ने और बनने की भी यही आयु होती है। दुर्भाग्य से हमारे देश में शिक्षा-पद्धति केवल उपाधि बाँटने का काम ही करती है, एक सम्पूर्ण व्यक्तित्व वाला मनुष्य बनाना आज की शिक्षा-पद्धति के लिए मुश्किल है।